AQ-7507

Seat No. _____

M. A. (Part - II) Examination

March / April – 2016

Hindi : Paper - VII

(आधुनिक हिन्दी काव्य) (Old Course)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के अंक **समान** हैं।
(२) सूचनानुसार उत्तर दीजिए।

१ 'कामायनी' के आधार पर 'श्रद्धा' का चरित्रांकन कीजिए। २०

अथवा

१ 'साकेत' के महाकाव्यत्व पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। २०

२ '' 'उर्वशी' प्रेम और सौन्दर्य का काव्य है।'' प्रस्तुत कथन की चर्चा कीजिए। २०

अथवा

२ 'राम की शक्ति पूजा' काव्य में अभिव्यक्त आधुनिक बोध की विस्तृत चर्चा कीजिए। २०

३ निराला रचित 'तुलसीदास' काव्य में अनुभूति पक्ष एवं अभिव्यक्ति पक्ष का सुन्दर समन्वय हुआ है। समीक्षा कीजिए। २०

अथवा

३ एक लम्बी कविता के रूप में 'असाध्य वीणा' की समीक्षा कीजिए। २०

४ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : २०

(अ) ''कालिदास, सच–सच बतलाना !
इन्दुमती के मृत्युशोक से
अक्ष रोया या तुम रोये थे ?
कालिदास, सच–सच बतलाना''

अथवा

(अ) ''मानव का रचा हुआ सूरज
मानव को भाप बनाकर सोख गया।
पत्थर पर लिखी हुई यह
जली हुई छाया, मानव की साखी है।''

(आ) ''मिल भी गई उर्वशी, यदि तुमको इन्द्र कृपा से
उसका हृदय–कपाट कौन मेरे निमित्त खोलेगा ?
बाहर सांकल नहीं जिसे तू खोल हृदय पा जाये
इस मंदिर का द्वार सदा अंतःपुर से खुलता है।''

अथवा

(आ) ''औरों की क्या कहिये, निज रूचि ही एकता नहीं रखती,
चन्द्रामृत पीकर तू, चकॉरि, अंगार है चखती।''

५ (अ) किन्हीं **दो** पर टिप्पणीयाँ लिखिए : १०

(१) 'कामायनी' काव्य का उद्देश्य।

(२) 'साकेत' की उर्मिला का विरह वर्णन।

(३) नागार्जुन की कविता में प्रगतिवाद।

(४) पुरूरवा का चरित्रांकन।

(५) 'तुलसीदास' काव्य का कथ्य।

(ब) निम्नांकित प्रश्नों के एक–दो वाक्य में उत्तर दीजिए : १०

(१) कवि नागार्जुन का मूल नाम क्या था ?

(२) 'बावरा अहेरी' कौन है ?

(३) तुलसीदास किस गाँव के थे ?

(४) 'कामायनी' के प्रमुख पात्रों के नाम लिखिए।

(५) 'कामायनी' की कथा कितने सर्गो में विभक्त है ?

(६) 'साकेत' किस नगरी को कहते हैं ?

(७) उर्वशी पुरूरवा के पुत्र का नाम लिखिए।

(८) 'उर्वशी' के तृतीय अंक में किस पर्वत का उल्लेख आता है ?

(९) आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि 'अज्ञेय' के संपादक कौन है ?

(१०) 'अज्ञेय' का पूरा नाम लिखिए।

———————